बस घर में गेड़ा मार दियो

नवरात्रा की पावन वेला,
सच्चे दिल तै देऊँ हेला,
चाहिए ना मैने पैसा धेला,
बस घर में गेड़ा मार दियो,
नवरात्रा की पावन वेला।bd।

भगती करण मै नही घाट जी,
सारा कुनबा देखे बाट जी,
इसे लगा देऊं थारे थाट जी,
जैव सबने बेरा पाट जी,
सारे बुलावे मै नही अकेला,
म्हारे आंगन लगज्या मेला,
चाहिए ना मैने पैसा धेला,
बस घर मै गेडा मार दियो,
नवरात्रा की पावन वेला।bd।

जगदम्बे मां करो सुनाई,
वृत करे और ज्योत जगाई,
कृपा करदे रंग बरसा दो,
एके इच्छा जगत भलाई,
लोग कह मै सु अलबेला,
छोड़ दिया मैंने सारा झमेला,
चाहिए ना मैने पैसा धेला,
बस घर मै गेडा मार दियो,
नवरात्रा की पावन वेला।bd।

'अमित केशव' थारे भरोसे,
फालतू बात मां कोन्या सोचे,
घणी कसूती लगन लाग री,
मछली की जू मनवा लोचे,
थारा भगत मै नया नवेला,
सब गुरुआ मै सब का चेल्ला,
चाहिए ना मैने पैसा धेला,
बस घर मै गेडा मार दियो,
नवरात्रा की पावन वेला।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

नवरात्रा की पावन वेला,
सच्चे दिल तै देऊँ हेला,
चाहिए ना मैने पैसा धेला,
बस घर में गेड़ा मार दियो,
नवरात्रा की पावन वेला।bd।

गायक – अमित केशव।
9992771630

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com